सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय जैविक संस्थान

समाचार पत्रक

अंक 4 : अक्टूबर –दिसंबर 2023

निदेशक महोदय के पटल से

जहां एक ओर हमसे एक और वर्ष विदाई ले रहा है, वहीं दूसरी ओर नववर्ष में हमारे समक्ष जैविकों की गुणवत्ता में संवर्धन करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा करने और अकादमिक उत्कृष्टता का निर्माण करने के लिए अपने प्रयासों को और आगे बढ़ाने संबंधी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं । सहयोगात्मक ज्ञान साझा करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है, और इसके लिए एनआईबी के वैज्ञानिक नए उत्पादों के मूल्यांकन में अपने पूरे मनोभाव से योगदान दे रहे हैं । प्रगति और समृद्धि की आशा के साथ, हमें पूरा विश्वास है कि हम वर्ष 2024 के दौरान अपनी आकांक्षाओं से भी अधिक सफलताएं प्राप्त करेंगे ।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) के वैज्ञानिकों ने पिछले वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियों में शानदार सहभागिता की है । उन्होंने 1 और 2 दिसंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित "एशियन एसोसिएशन ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन की "XVIII वार्षिक कांग्रेस और AABB - AATM 2023 की चौथी संयुक्त बैठक " में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह सक्रिय सहभागिता ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा में प्रगति के मामले में सबसे आगे बढ़कर काम करने के प्रति हमारे समर्पण भाव को रेखांकित करता है। इसके अलावा, एनआईबी के वैज्ञानिकों ने 5 दिसंबर, 2023 को प्रथम हब सत्र (बीआईआरएसी) के दौरान डीबीटी-बीआईआरएसी, भारत सरकार द्वारा आयोजित भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में ग्लोबल बायो-इंडिया इवेंट के हिस्से के रूप में एक पैनल चर्चा में सक्रिय योगदान दिया। यह भागीदारी वैज्ञानिक समुदाय के बीच चर्चा और सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है ।

मुझे बहुत गर्व है कि एनआईबी द्वारा कुल गुणवत्ता प्रबंधन, डॉयग्नोस्टिक्स, थेरेप्यूटिक्स, ट्रांसफ्यूजन और हीमोविजिलेंस जैसे विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए प्रशिक्षण बायोफार्मास्यूटिकल्स उद्योग और जैविक गुणवत्ता नियंत्रण के क्षेत्र में कुशल मैनपावर तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मैं भावी अवसरों के प्रति उत्साहित हूं, और मुझे विश्वास है कि इन गतिविधियों में हमारी सक्रिय भागीदारी वैज्ञानिक ज्ञान और नवाचार की उन्नति के लिए योगदानकर्ताओं के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत करेगी। मुझे पूरी आशा और विश्वास है कि हमें आगामी वर्ष में निरंतर प्रगति और सफलता मिलेगी ।

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं !!

अनूप अन्वीकर
निदेशक

इस अंक में शामिल सामग्री

जैविकों के क्षेत्र में राष्ट्रीय कौशल विकास और क्षमता निर्माण में राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) का योगदान	03
तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें	06
आमंत्रित वार्ता / व्याख्यान	07
कार्यशालाए / सम्मेलन / सेमिनार प्रशिक्षण	08

संपादकीय टीम

सुश्री वाई. मधु	श्री जयपाल मीणा	डॉ मंजुला किरण	सुश्री अपूर्वा आनंद तलवार
संपादक	एसोसिएट संपादक	एसोसिएट संपादक	एसोसिएट संपादक

जैविकों के क्षेत्र में राष्ट्रीय कौशल विकास और क्षमता निर्माण में राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) का योगदान

सुश्री सुधा वी. गोपीनाथ,
वैज्ञानिक ग्रेड-प्प, एनआईबी

भारतीय दवा उद्योग वैश्विक स्तर पर मात्रा के मामले में तीसरा सबसे बड़ा दवा उद्योग है। भारत ने दुनिया भर के रोगियों के लिए हेल्थकेयर के विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बायोफार्मास्युटिकल उद्योग में आगामी वर्षों में अपार संभावनाएं होंगी और यह एक ज्ञान-संचालित क्षेत्र है जिसमें अत्यधिक कुशल पेशेवरों की आवश्यकता है। मानव कार्यनिष्पादन का प्रभाव उत्पाद विकास, प्रक्रिया मूल्यांकन या जीवन रक्षक दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने जैसी उच्च तकनीकी भूमिका सहित पूरे उद्योग पर पड़ता है -चाहे वह एक विनिर्माण ऑपरेटर, एक वैज्ञानिक या इंजीनियर की भूमिका में क्यों न हो।

इसके अलावा, नई प्रौद्योगिकियां उद्योग के भीतर संभावित विघटनकारी परिवर्तन पैदा कर रही हैं, जिसमें एकल-उपयोग प्रौद्योगिकियों का प्रयोग, सतत प्रोसेसिंग, सिद्धांत डिजाइन (QbD) करने में गुणवत्ता लागू करना, प्रक्रिया विश्लेषणात्मक प्रौद्योगिकी (PAT); और नए उपचार और व्यक्तिगत दवा पेश करना आदि शामिल है। इसकी प्रतिक्रिया में, शिक्षा और तकनीकी व्यावसायिक विकास महत्वपूर्ण हो जाता है जिससे उद्योग का विकास होने के साथ-साथ आज के बायोफार्मास्यूटिकल विनिर्माण कार्यबल की योग्यता के स्तर में भी वृद्धि होती है।

विश्व स्तर पर आज के प्रतिस्पर्धी जॉब बाजार में, बायोप्रोसेस उद्योग के लिए एक कार्यबल पाइपलाइन विकसित करने के लिए अकादमिक कार्यक्रमों की आवश्यकता होगी जो छात्रों को उपकरण, पद्धतियों, प्रक्रियाओं और नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप ज्ञान, कौशल और थ्योरी से लैस करते हों ।भारतीय फार्मा उद्योग के लिए विजन 2030 को प्राप्त करने हेतु कुशल मैनपावर की भूमिका महत्वपूर्ण होगी, जिसका उद्देश्य वर्ष 2022 के मौजूदा $ 50 बिलियन के कारोबार को बढ़ाकर वर्ष 2030 तक $ 120-130 बिलियन तक करना है।कार्यबल के कौशल और ज्ञान विकास में निवेश करने की आवश्यकता होगी ।

शिक्षाविदों, सरकारी संस्थानों, उद्योग के पेशेवरों और नीति निर्माता विशेषज्ञों को शामिल करते हुए विभिन्न सर्वेक्षणों और संगोष्ठियों [1,2] के अनुसार, संभावित डोमेन की पहचान करने के लिए निम्नलिखित सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं, जो भारत में बायोफार्मास्यूटिकल / डायग्नोस्टिक उद्योगों के क्षेत्र में पर्याप्त क्षमता निर्माण के लिए विचारणीय हैं :

1. बायोफार्मास्युटिकल प्रशिक्षण के लिए उत्कृष्टता के कुछ केंद्र स्थापित करने के लिए संभावनाएं तलाशना ।बायोफार्मास्युटिकल उद्योग इन प्रशिक्षण प्लेटफार्मों में योगदान करने में रूचि दिखाएगा।इन प्रशिक्षण संस्थानों को मौजूदा शैक्षिक / राष्ट्रीय संस्थानों में स्थापित किया जा सकता है और उद्योगों के सीएसआर के माध्यम से वित्त पोषित किया जा सकता है।

2. बायोलॉजिक्स निर्माण के लिए आवश्यक कौशल पर ध्यान देना लाभकारी होगा ।

3. अन्य पहलू जिन पर ध्यान केंद्रित किए जाने की आवश्यकता है उनमें उत्तम विनिर्माण प्रक्रिया और गुणवत्ता प्रबंधन, डाक्यूमेंटेशन, नियामक, डिजिटलीकरण और बड़े डेटा विश्लेषण शामिल हैं ।

4. उभरती प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं के साथ तालमेल रखने में नियामकों के लिए सतत और अद्यतन शिक्षा ।

5. दवा की खोज और ट्रांसलेशनल अनुसंधान पर ध्यान देने के साथ उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम को अद्यतन करना ।

6. उभरती प्रौद्योगिकियों, प्रबंधन और उद्यमिता में कौशल विकास और वैश्विक मानकों के साथ अंतः विषयक (Interdisciplinary) कौशल-सेट के लिए सहायता प्रदान करना ।

7. अनुसंधान एवं विकास कौशल बढ़ाने के लिए ग्रेजुएट / पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों के लिए उद्योग प्रशिक्षण या इंटर्नशिप का प्रावधान। उद्योग ऐसे शिक्षण / प्रशिक्षण के लिए अपने स्टाफ को शिक्षा जगत में भेजने के लिए पहल कर सकते हैं।

8. स्टार्ट-अप और लघु उद्योगों के लिए नवीनतम तकनीकों की पहुंच को बढ़ावा देने के लिए साझा संसाधन या अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र।

9. अपने अनुभव का लाभ उठाने के लिए शीर्ष विश्वविद्यालयों और कंपनियों के भारतीय डायस्पोरा वैज्ञानिकों के साथ जुड़ाव और सहयोग को बढ़ाना ।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए उपर्युक्त कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए, "जैविक गुणवत्ता नियंत्रण" के क्षेत्र में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

1. जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण पर राष्ट्रीय कौशल विकास और प्रायोगिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण कार्यक्रम :

दो सप्ताह के इस आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्वतीय विश्वविद्यालयों, पूर्वोत्तर राज्यों, जनजातीय क्षेत्र और देश के अन्य दूर-दराज के क्षेत्रों के पीजी छात्रों के बीच जैविकों के क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाना है। प्रतिभागियों को उनकी यात्रा, बोर्डिंग और लॉजिंग, और प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए एनआईबी द्वारा पूरी मदद की जाती है। प्रशिक्षण में एचपीएलसी, इलेक्ट्रोफोरेसिस, एलिसा, बैक्टीरियल एंडोटॉक्सिन परीक्षण, ट्रांसफ्यूजन संचरित संक्रमण परीक्षण, रक्त समूह सीरोलॉजी, सेल कल्चर असेप्टिक हैंडलिंग, सब कल्चर और रखरखाव, सेल लाइन आधारित पोटेंसी एसे, पशु हैंडलिंग, प्रयोगशाला जानवरों का उपयोग आदि जैसी गुणवत्ता मूल्यांकन में उपयोग की जाने वाली तकनीकें शामिल हैं। एनआईबी में दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण को प्राप्त करने वाले छात्रों की प्रतिक्रिया टिप्पणियों से पता चला है कि प्रशिक्षण ने जैविकों और जैव-चिकित्सीय अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान कैरियर के लिए उनके ज्ञान में वृद्धि की है ।

2. रक्त बैंक कार्मिकों के लिए रक्त सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण :

देश में रक्त सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से एनआईबी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से, देश के विभिन्न हिस्सों से ब्लड बैंक कार्मिकों के लिए छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। यह प्रशिक्षण ट्रांसफ्यूजन-संचरित रोगों, रक्त समूह सीरोलॉजी, ट्रांसफ्यूजन संचरित संक्रमण परीक्षण, भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम, रक्त बैंक प्रबंधन में अंतराल का विश्लेषण, कुल गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली आदि के लिए ईक्यूएएस के क्षेत्रों में रक्त सेवाओं को मजबूत करने में तकनीकी सहायता प्रदान करता है। प्रशिक्षण का उद्देश्य रक्त और रक्त उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता में सुधार करने, वर्तमान उत्तम प्रयोगशाला पद्धतियों (सीजीएलपी) की आवश्यकताओं को पूरा करने और देश की रक्त बैंकिंग प्रणाली में कुल गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षित मैनपावर तैयार करना है।

3. छह सप्ताह का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण :

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का फोकस छात्रों को जैविकों में गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली में सर्वोत्तम प्रथाओं पर संवेदनशील बनाना और उनकी तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाना है। कार्यक्रम का आयोजन वार्षिक आधार पर प्रायः जून-जुलाई के दौरान आयोजित किया जाता है।

4. छह महीने का प्रोजेक्ट वर्क :

एनआईबी अपनी अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में जैविकों की गुणवत्ता नियंत्रण पर विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों को 04-06 महीने का प्रोजेक्ट वर्क प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभिन्न विश्लेषणात्मक प्लेटफार्मों पर उन्हें 4-6 महीने की अवधि का दिया गया प्रशिक्षण संबंधित सिद्धांतों, प्रक्रियाओं, नियामक आवश्यकताओं को समझने में मदद करता है जो उन्हें विशिष्ट क्षेत्र में कुशल बनाता है, और उनके भविष्य के अनुसंधान प्रयासों में मदद करता है और साथ ही उन्हें अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकारी संस्थानों / सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों और विशेष रूप से उन क्षेत्रों के छात्रों को प्रोत्साहित करना है जिनके पास अपने शैक्षणिक संस्थान में संसाधन का सीमित बुनियादी ढांचा है, और वे उक्त प्रशिक्षण के माध्यम से जैविक परीक्षण में उपयोग की जाने वाली बुनियादी तकनीकों पर अपने ज्ञान को विस्तार दे सकें। कार्यक्रम का आयोजन प्रतिवर्ष जनवरी-जून तक किया जाता है।

5. अनुकूलित (कस्टमाइज्ड) अल्पकालिक संरचित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का वर्ष 2022 में शुभारंभ :

एनआईबी ने बायोफार्मास्यूटिकल्स, इन-विट्रो डायग्नोस्टिक्स और टीकों के क्षेत्र में अनुकूलित अल्पकालिक संरचित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का एक पैनल लॉन्च किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों, सरकारी और निजी प्रयोगशालाओं / संस्थानों, अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, उद्योगों के पेशेवरों और नियामक कार्मिकों को प्रशिक्षण देना है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को जैव प्रौद्योगिकी और फार्मास्युटिकल उद्योगों की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया गया है जिसके माध्यम से तकनीकियों के विभिन्न पहलुओं का अनुभव के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण उम्मीदवारों के कौशल विकसित किया जा सके। इस संबंध में, संबंधित पाठ्यक्रम मॉड्यूल के साथ आवेदन पत्र, दिशानिर्देश एनआईबी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अद्यतन कार्यक्रम और प्रशिक्षण शुल्क के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट : www-nib-gov-in देखें ।

6. नई पहल :

इसके अलावा, संस्थान एक समर्पित अनुसंधान और प्रशिक्षण सुविधा विकसित करने की प्रक्रिया में है जो जैविकों की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार से संबंधित अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सहायता करेगा। जैविकों की गुणवत्ता आश्वासन पर एक सर्टिफिकेट कोर्स भी विचाराधीन है जो वर्तमान औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक विभिन्न विषयों में गहन व्यावहारिक जानकारी प्रदान करेगा और यह उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने का प्रयास है, ताकि तत्काल रोजगार योग्य कार्यबल तैयार हो सके ।

7. संदर्भ :

1. इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) मुंबई द्वारा 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2018 तक आयोजित बायोसिमिलर कार्यशाला के अंश और प्रकाशन – "बढ़ता भारतीय बायोफार्मास्युटिकल उद्योगः इसकी आवश्यकताएं और प्रयास ", इबानी कपूर और नवोदय जैन, 15 फरवरी, 2019 को हेल्थ एंड मेडिसिन, फार्माकोलॉजी, टीचिंग एंड अंडरग्रेजुएट में पोस्ट किया गया ।

2. भारत में बायोफार्मास्युटिकल उद्योग क्षमता निर्माणः यूएस फार्माकोपिया (USP), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) भारत, और कॉन्फेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्री (CII)-जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल इनोवेशन, द्वारा नवंबर 2021 में आयोजित एक संगोष्ठी के संगोष्ठी-परिणामों से रिपोर्ट।

दौरा :

जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेआईआईटी) नोएडा के एमटेक बायोटेक्नोलॉजी के 33 छात्रों और पीएचडी स्कॉलर्स ने अपने फैकल्टी सदस्यों के साथ 20 नवंबर 2023 को एनआईबी प्रयोगशालाओं का दौरा किया।

पुरस्कार :

● नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के तत्वावधान में नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एनएसईजेड) द्वारा नराकास के सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए 06 नवंबर, 2023 को आयोजित 'स्वरचित कहानी प्रतियोगिता' में संस्थान की सुश्री सरोज वर्मा, सहायक - I को प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए विजेता घोषित किया गया । सुश्री सरोज वर्मा को उक्त पुरस्कार 29 जनवरी, 2024 को आयोजित नराकास की 46वीं बैठक में नराकास के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किया गया ।

प्रवीणता परीक्षण (पीटी)/ बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजना (ई.क्यू.ए.एस.)

● बायोकेमिकल किट लैब को क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा संचालित रसायन विज्ञान II (ग्लूकोज, कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड, क्रिएटिनिन, यूरिक एसिड और एल्ब्यूमिन) के लिए एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया / क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (एसीबीआई / सीएमसी) बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस)-2023 में नामांकित किया गया है। इसके लिए परीक्षण किया गया था और उससे उत्पन्न परिणाम सीएमसी-ईक्यूएएस वेबसाइट पर अपलोड किए गए थे।

- ब्लड रीएजेन्ट प्रयोगशाला ने आईआरसीएस पीटी कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया जिसमें सभी परीक्षण मापदंडों के लिए एंटी-ए, एंटी-बी, एंटी-डी (आईजीएम), और एंटी-एबी के 6 कोडित नमूनों का परीक्षण किया गया।

- इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट प्रयोगशाला आईडीकेएल ने मल्टी-मार्कर ब्लड स्क्रीनिंग सीरोलॉजी प्रोग्राम के लिए एनआरएल ऑस्ट्रेलिया (एचआईवी, एड्स और रक्त जनित संक्रमणों के लिए डायग्नोस्टिक्स और प्रयोगशाला सहायता के लिए एक नामित विश्व स्वास्थ्य संगठन केंद्र और आईएसओ 17043:2010 के तहत पूरी तरह से मान्यता प्राप्त प्रवीणता परीक्षण प्रदाता) द्वारा आयोजित ईक्यूएएस 2023 के तीसरे दौर में भाग लिया। परीक्षण के परिणाम एनआरएल ऑस्ट्रेलिया के पोर्टल पर अपलोड किए गए थे।

तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें :

- डॉ. मीना कुमारी, रक्त उत्पाद प्रयोगशाला प्रमुख ने दिनांक 26.10.2023 को भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद द्वारा आयोजित " जैविक अशुद्धियों से संबंधित विशेषज्ञ कार्य समूह (EWG) की बैठक " में भाग लिया।

- डॉ. चारू मेहरा कमल, आरपीएल एवं ईएचएल प्रमुख ने डॉ. संजय मेंदीरत्ता, वैज्ञानिक ग्रेड- III के साथ दिनांक 07.11.2023 को भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद द्वारा आयोजित विशेषज्ञ कार्य समूह-जैविक और आरडीएनए उत्पादों की 14वीं बैठक में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।

- डॉ. गौरी मिश्रा, सीकेटीएल - एमडीएल एवं एसआरआरडीयू प्रमुख ने भारतीय मानक के विकास हेतु " नैनोपोर सेंसर के लिए मानक विकास " पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी और नैनो प्रौद्योगिकी अनुभागीय समिति, एमएचडी 20 की वर्चुअल मोड में दिनांक 14.11.2023 को आयोजित विशेष बैठक में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।

- डॉ. चारू मेहरा कमल, आरपीएल एवं ईएचएल प्रमुख और सुश्री वाई मधु, वैज्ञानिक-III, बीपीएल ने यूएसपी द्वारा दिल्ली में " यूएसपी कन्वेंशन साइकिल 2020-2025 के एक हिस्से के रूप में दिनांक 15.11.2023 को आयोजित यूएसपी दक्षिण एशिया चौथी क्षेत्रीय चौप्टर बैठक " में भाग लिया।

- डॉ. गौरी मिश्रा, सीकेटीएल - एमडीएल एवं एसआरआरडीयू प्रमुख ने "नई इन-विट्रो डायग्नोस्टिक मेडिकल डिवाइस की सुरक्षा, अनिवार्यता, वांछनीयता, प्रभावशीलता और नैदानिक प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए इन-विट्रो डायग्नोस्टिक मेडिकल डिवाइस का नैदानिक प्रदर्शन मूल्यांकन अर्थात एक ही कैसेट में डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया का पता लगाने के लिए सुनिश्चित प्लस रैपिड डायग्नोस्टिक किट " पर चर्चा करने के लिए सीडीएससीओ द्वारा दिनांक 07.12.2023 को वर्चुअल मोड में आयोजित डायग्नोस्टिक्स मीटिंग में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।

- डॉ. गौरी मिश्रा, सीकेटीएल - एमडीएल एवं एसआरआरडीयू प्रमुख ने डीबीटी - बीआईआरएसी, भारत सरकार द्वारा दिनांक 05.12.2023 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल बायो-इंडिया में प्रथम हब सत्र (बीआईआरएसी) के लिए पैनल चर्चा में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।

- डॉ गौरी मिश्रा, सीकेटीएल - एमडीएल एवं एसआरआरडीयू प्रमुख ने दिनांक 13.12.2023 को नई दिल्ली में आयोजित मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी और मेडिकल नैनोटेक्नोलॉजी एमएचडी 20 की चौदहवीं अनुभागीय समिति की बैठक में वर्चुअल मोड में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता की ।

- डॉ गौरी मिश्रा, सीकेटीएल – एमडीएल एवं एसआरआरडीयू प्रमुख ने मेडटेक इनोवेटर्स के लिए आईसीएमआर–एमडीएमएस और नीति आयोग द्वारा प्रदान की जाने वाली रणनीतिक हैंडहोल्डिंग सहायता के तौर–तरीकों पर दिनांक 12.12.2023 को आयोजित चर्चा में वर्चुअल मोड में एक तकनीकी विशेषज्ञ के तौर पर भाग लिया

- डॉ गौरी मिश्रा, सीकेटीएल – एमडीएल एवं एसआरआरडीयू प्रमुख ने दिनांक 19.12.2023 को आयोजित "द्वितीय मलेरिया विशेषज्ञ कार्य समूह बैठक" में एक विशेषज्ञ के रूप में वर्चुअल मोड में भाग लिया ।

- डॉ. शिखा यादव, इन–वीवो बायोएसे लेबोरेटरी एंड एनिमल फैसिलिटी प्रमुख को बायो–मेड प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद, यूपी के आईएईसी में मुख्य सीपीसीएसईए नॉमिनी के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने उनकी आईएईसी की बैठक में भाग लिया और दिनांक 20.12.23 को उनकी पशु सुविधा का वार्षिक निरीक्षण भी किया ।

आमंत्रित वार्ता / व्याख्यान :

- डॉ गौरी मिश्रा, सीकेटीएल – एमडीएल एवं एसआरआरडीयू प्रमुख ने स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में दिनांक 11.10.2023 से 12.10.2023 के दौरान "प्राकृतिक यौगिकों की मध्यस्थता स्तन कैंसर प्रसार को रोकने वाले मस्टल किनेज के निषेध" विषय पर 'स्ट्रक्चरल बायोलॉजी एंड ड्रग डिस्कवरी' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित वक्ता के रूप में अपने विचार रखे ।

- डॉ. शिखा यादव, इन–वीवो बायोएसे लेबोरेटरी एंड एनिमल फैसिलिटी प्रमुख ने इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस), दिल्ली द्वारा पशु हैंडलिंग और प्रयोग में बुनियादी प्रशिक्षण पर आयोजित कार्यशाला में दिनांक 3.11.2023 को "प्रयोगशाला पशु दर्द का आकलन और उसका प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया ।

- डॉ. शिखा यादव, इन–वीवो बायोएसे लेबोरेटरी एंड एनिमल फैसिलिटी प्रमुख को सीएलएआर, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू, दिल्ली में दिनांक 28.11.23 से 2.12.23 तक आयोजित "प्रयोगशाला जानवरों की हैंडलिंग और उनकी देखभाल के लिए कार्यशाला" में रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- डॉ. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक ग्रेड– III ने दिनांक 15.12.2023 को जैव रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस, दिल्ली में बीएसएल3 प्रशिक्षण, जैव सुरक्षा प्रथाओं और टीबी अनुसंधान प्रोटोकॉल पर हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग कोर्स के समापन सत्र में "एबीएसएल–3 जैव सुरक्षा दिशानिर्देश, सीसीएसईए नियम, प्रयोगशाला पशु हैंडलिंग और उनकी देखभाल" पर अपना व्याख्यान दिया ।

कार्यशालाएं / सम्मेलन/ सेमिनार :

● डॉ. राजेश कुमार शर्मा, वैज्ञानिक – III और डॉ. पंकज कुमार शर्मा, वैज्ञानिक–III ने 06–08 अक्टूबर 2023 तक किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में ट्रांसकॉन 2023 में भाग लिया।

● श्री हरित कसाना, वैज्ञानिक–II, श्री जयपाल मीणा, वैज्ञानिक–III और सुश्री अर्चना सयाल, कनिष्ठ वैज्ञानिक, वैक्सीन और एंटीसीरा लैब ने दिनांक 12.10.2023 से 13.10.2023 तक सीडीएल, कसौली में "टीकों की लॉट रिलीज प्रक्रिया " पर आयोजित दो दिवसीय चर्चा और प्रशिक्षण में भाग लिया।

● डॉ. शिखा यादव, प्रमुख और डॉ. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक –III (पशु चिकित्सक), इन–वीवो बायोएसे प्रयोगशाला और पशु सुविधा ने प्रयोगशाला पशु वैज्ञानिक संघ (एलएएसए), भारत द्वारा 6 से 8 नवंबर 2023 तक आईआईएससी (IISc) बेंगलुरू में आयोजित "बायोमेडिकल रिसर्च एंड लेबोरेटरी एनिमल साइंस एंड वेलफेयर: इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स" में "बायोमेडिकल रिसर्च एंड लेबोरेटरी एनिमल साइंस एंड वेलफेयर में 3R की प्रगतिः अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य" पर लेबोरेटरी एनिमल साइंटिस्ट्स एसोसिएशन (LASA) इंडिया के 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (LASACON–2023) में भाग लिया।

● डॉ. चारू मेहरा कमल, आरपीएल एवं ईएचएल प्रमुख और श्री नंद गोपाल, वैज्ञानिक ग्रेड–III, ईएचएल ने 17 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित 5वें भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) जीवन विज्ञान शिखर सम्मेलन 2023 में भाग लिया।

● डॉ गौरी मिश्रा, सीकेटीएल दृ एमडीएल एवं एसआरआरडीयू प्रमुख ने 22 से 24 नवंबर, 2023 के दौरान क्रिस्टलोग्राफी (NSC50) CSIR–इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी (CSIR - IMTECH), पर चंडीगढ़ में आयोजित 50वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

● डॉ. मीना कुमारी, प्रमुख और सुश्री वाई मधु, वैज्ञानिक–III, बीपीएल ने 1 और 2 दिसंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित "एशियन एसोसिएशन ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन की XVIII वार्षिक कांग्रेस और AABB - AATM-2023 की चौथी संयुक्त बैठक " में भाग लिया ।

● मोहम्मद दाउद अली, कनिष्ठ वैज्ञानिक, सुश्री गिरिजा एलवी, लैब तकनीशियन और श्री रितेश प्रजापति, लैब तकनीशियन ने 11–13 दिसंबर 2023 तक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बायोफार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली में आयोजित 8वीं वार्षिक सीबीटी कोर्स सिरीज में भाग लिया।

प्रशिक्षण :

● 09–13 अक्टूबर 2023 तक "सेल कल्चर और इन–विट्रो बायोएसे का उपयोग करके जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण " पर पांच दिवसीय संरचित प्रशिक्षण का आयोजन बायोएसे प्रयोगशाला की केंद्रीकृत सुविधा, एनआईबी में किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदर्शन(डेमो) और व्यावहारिक अभ्यास शामिल थे।

● रक्त उत्पाद प्रयोगशाला, एनआईबी में 04–15 दिसंबर 2023 तक "रक्त और रक्त से संबंधित उत्पादों से संबंधित विश्लेषणात्मक तकनीकों" पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में रक्त उत्पादों का गुणवत्ता परीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में आईएसओ 17025 अनुप्रयोग, मोनोग्राफ विकास और सत्यापन, प्रदर्शन और प्रयोगात्मक अभ्यास का अवलोकन(ओवरव्यू) शामिल था।

आभार : समाचार पत्रक की संपादकीय टीम एनआईबी के सभी कर्मचारियों के योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान

ए–32, सैक्टर–62, एनएच–24 के पास, नोएडा – 201 309, उत्तर प्रदेश
एनआईबी वैबसाइट : http://nib.gov.in, ई–मेल : info@nib.gov.in
फोन : 0120 – 2400072, 2400022 फैक्स : 0120–2403014

समाचार पत्रक से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी / सुझावों / प्रश्नों के लिए कृपया संपर्क करें :
डॉ मंजुला किरण, एसोसिएट संपादक , ई–मेल : mkiran@nib.gov.in

कृपया संस्करण में सुधार करने हेतु आपके बहुमूल्य विचार और प्रतिक्रिया आमंत्रित है। हमें आपके उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी !!!